सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-338
15/08/2016

जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़ा है, उसका विकास करना हमारी प्राथमिकता है :– मुख्यमंत्री

पटना, 15 अगस्त 2016 :– 70वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर फुलवारीशरीफ प्रखण्ड अन्तर्गत चिलबिली पंचायत के चिलबिली महादलित टोला में 70 वर्षीय बुजुर्ग श्री बृजनंदन रविदास ने मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की उपस्थिति में झंडोतोलन किया। झंडोतोलन कार्यक्रम के पश्चात एक महती सभा को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कहा कि हमारा संकल्प है न्याय के साथ विकास। हम सबको अधिकार सम्पन्न बनाना चाहते हैं, जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़ा है, उसका विकास करना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि महादलित टोलों में झंडोतोलन का सिलसिला हमलोगों ने शुरू कराया था कि हर महादलित टोले में कोई न कोई बुजुर्ग महादलित के द्वारा झंडोतोलन किया जायेगा और इसका कितना प्रभाव पड़ा, यह जगजाहिर है। जिस तबके को लोग पूछते नहीं थे, उपेक्षित करते थे, आज उनके हाथ से राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर आज चिलबिली के महादलित टोला में आने का मौका मिला है और आज हम साक्षी हुये हैं कि जब बृजनंदन रविदास ने झंडोतोलन किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार दिल्ली के लाल किला में प्रधानमंत्री झंडा फहराते हैं, अपने–अपने राज्य के प्रमुख जगह पर राज्य के मुख्यमंत्री झंडोतोलन करते हैं, उसी प्रकार बिहार के हर महादलित टोले में कोई न कोई बुजुर्ग महादलित झंडोतोलन करते हैं, यह गौरव का विषय है। जबसे हमने इस कार्यक्रम की शुरूआत की है, तब से इस मौके पर मुझे आने का अवसर मिलता है और मुझे बहुत प्रसन्नता होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री बृजनंदन रविदास ने झंडोतोलन के पश्चात अपने संबोधन में कहा कि शराबबंदी बिल्कुल ठीक है और शराब बहुत ही बुरी चीज है। जिला परिषद सदस्य कुमारी प्रतिभा, प्रखण्ड प्रमुख श्रीमती मुन्नी देवी, मुखिया श्रीमती संगीता देवी ने भी शराबबंदी को बहुत ही बुरी चीज बताया। इनकी बातों से मुझे प्रसन्नता हुयी। उन्होंने कहा कि सबलोग शराबबंदी के समर्थक हैं और इसके पक्षधर हैं तथा इसको अच्छा मानते हैं। अपवादस्वरूप कुछ लोग इसमें मीनमेख निकालते रहते हैं। उन्होंने कहा कि चार महीने से ज्यादा समय से बिहार में शराबबंदी लागू है, ऑख खोलकर कोई देख ले कि आज ग्रामीण अंचलों में क्या स्थिति है। पहले जहॉ माहौल तीखा रहता था, झगड़ा–झंझट, आपस में विवाद, शाम के बाद महिलायें घरेलू हिंसा की शिकार होती थी और आज शाम के बाद चारो तरफ शांत माहौल है। शराबबंदी कोई राजनैतिक कार्यक्रम नहीं है बल्कि यह एक सामाजिक अभियान है और समाज सुधार की दिशा में एक प्रमुख कदम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमलोग स्वाधिनता दिवस मना रहे हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी ने शराब के विरूद्ध कितनी बातें कही थी। वे शराब के कितने बड़े हिमायती थे। महात्मा गॉधी ने तो जनवरी 1928 में 'यंग इंडिया' में लिखा था कि 'शराब बुराई नहीं बीमारी है और बीमार का इलाज तो हर हाल में करना ही चाहिये'। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कितनी बड़ी बात है। यह सिर्फ बुराई नहीं दरअसल बीमारी है, उसी से ग्रस्त हमारे कुछ लोग हैं, जब बीमारी हो गयी तो उसको बीमार कहा जाता है और अगर आदमी जब बीमार हो जाता है तो इसका इलाज कराना ही पड़ता है। गॉधी जी का यह सपना है। उन्होंने कहा कि पहले जब हमलोगों ने शराबबंदी की तो कुछ शराब पीने वाले लोग नाराज रहते थे लेकिन आज वे लोग

भी खुश हैं और कहते हैं कि अब आदत तो छूट ही गया है, अब कम से कम घर परिवार की सेवा कर रहे हैं और कह रहे हैं कि हमारी आने वाली पीढ़ी का भविष्य ठीक हो जायेगा। पूरे बिहार में इस शराबबंदी अभियान का व्यापक जन–समर्थन है और जबर्दस्त जन–चेतना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1 अप्रैल 2016 से गॉवों में शराबबंदी लागू की गयी लेकिन उसके बाद शहरों में शराब की दुकानें खुलने लगी तो उसका विरोध हुआ। मुझे हृदय से प्रसन्नता हुयी, हम जो वातावरण शहरों में भी बनाना चाहते थे, वह बन गया तो 5 अप्रैल 2016 से ही शहरों में भी विदेशी शराब बंद कर दी गयी। उन्होंने कहा कि जब हम कानून में संशोधन कर रहे थे तो लोग कह रहे थे कि देशी क्यों विदेशी क्यों नहीं ? गॉव में क्यों शहर में क्यों नहीं ? पूर्ण शराबबंदी होनी चाहिये। हमने तो चार दिन के बाद ही पूर्ण शराबबंदी लागू कर दी और जब पूर्ण शराबबंदी लागू कर दी तो कानून तालिबानी कैसे हो गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपका मुझे व्यापक समर्थन है। मुझे इसके लिये बड़ी प्रसन्नता है, इससे मन बुलंद होता है, हौसला बढ़ता है और काम को और मजबूती के साथ क्रियान्वित करने का साहस पैदा होता है। उन्होंने कहा कि चम्पारण सत्याग्रह का यह सौंवा साल है। हम बापू को उनके बताये मार्ग पर चलकर ही श्रद्धांजलि दे सकते हैं। शराबबंदी पर उनके बताये मार्ग पर चलकर हम सही मायने में राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी को श्रद्धांजलि दे रहे हैं और हम उनके प्रति अपनी श्रद्धा निवेदित कर रहे हैं। हम सब मिलकर इसको कामयाब करेंगे, कानून भी अपनी भूमिका अदा करेगा। कोई किसी को जबर्दस्ती नहीं पकड़ेगा, यह सब विचार मन में मत रखिये, शराबबंदी का मतलब शराब को बंद करना है। एक बार बंद तो बंद, जो भी शराब का व्यापार करेगा, इधर–उधर करेगा, उस पर कार्रवाई होगी।

मुख्यमंत्री ने स्वाधिनता दिवस की शुभकामना देते हुये कहा कि राज्य में सभी कार्य हो रहे हैं। सात निश्चय का क्रियान्वयन हो रहा है, उसमें एक निश्चय महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण देने के निश्चय को लागू भी कर दिया गया है। बाकी सभी पर काम हो रहा है। 2 अक्टूबर से कई योजनायें शुरू हो जायेगी। लोक शिकायत निवारण अधिकार कानून बनाया गया है और जनता को कानूनी अधिकार दिया गया है। हमारा ध्यान सब पर है, कानून व्यवस्था एवं सभी चीजों पर ध्यान है। समाज में प्रेम और सद्भाव का वातावरण बना रहे। मुख्यमंत्री ने अपील की कि प्रेम और भाईचारे का माहौल बनाये रखें। प्रेम और भाईचारा का माहौल कायम रहेगा तो बिहार को और ऊॅचाई पर जाने से दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती, बिहार और आगे बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तिकरण पर कहा कि मुझे यह देखकर खुशी हुयी कि यहॉ कि मुखिया, यहॉ की प्रखण्ड प्रमुख और जिला परिषद सदस्य महिला हैं। महिला सशक्तिकरण का इससे बड़ा उदाहरण और कहॉ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सात निश्चय के क्रियान्वयन में पंचायती राज संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पंचायत की समस्या के बारे में उन्हें अवगत कराया गया है। मुख्यमंत्री ने आज स्वाधिनता दिवस के अवसर पर चिलबिली में नया उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन, ऑगनबाड़ी केन्द्र भवन, सामुदायिक भवन के निर्माण कराये जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उन्हें बताया गया है कि चिलबिली पंचायत में कोई उच्च विद्यालय नहीं है। मुख्यमंत्री ने चिलबिली पंचायत में प्लस टू विद्यालय की स्थापना की भी घोषणा की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं यथा– सामाजिक सुरक्षा पेंशन, बिहार राज्य निःसशक्कता पेंशन, मुख्यमंत्री कन्या सुरक्षा योजना, परवरिश योजना एवं अन्य योजनाओं के लाभार्थियों को टोकन रूप में स्वीकृति पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने मद्य निषेध पर बेहतर कार्य करने के लिये श्री धर्मेन्द्र कुमार को माला पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर चिलबिली पंचायत की मुखिया श्रीमती संगीता देवी ने मुख्यमंत्री को पौधा देकर सम्मानित किया।

समारोह को श्री बृजनंदन रविदास, विधायक श्री श्याम रजक, चिलबिली की मुखिया श्रीमती संगीता देवी, प्रखण्ड प्रमुख श्रीमती मुन्नी देवी, जिला परिषद सदस्य श्रीमती कुमारी

प्रतिभा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विधान पार्षद श्री संजय सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चन्द्रा, पटना प्रमण्डल के आयुकत श्री आनंद किशोर, पटना के जिलाधिकारी श्री संजय अग्रवाल, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री मनु महाराज, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, पूर्व विधायक श्री अरूण मॉझी, पूर्व विधान पार्षद श्री बाल्मीकि सिंह, राज्य महादलित आयोग के पूर्व अध्यक्ष श्री हुलेश मॉझी, श्री छोटू सिंह, श्री जगनारायण सिंह यादव, श्री शत्रुघ्न पासवान, श्री राजकिशोर सिंह, श्री बंटी कुमार सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******